आभार

मैं आभारी हूँ अपने निर्देशक पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो० डॉ० सुधाकर पाण्डेय जिन्होंने मुझे उचित समय पर मेरी शंकाओं को समाधान करते हुए मार्गदर्शन दिया । शोधकार्य की सम्पूर्ण यात्रा में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन डॉ० पाण्डेय जी का स्नेह, और मेरी आदरणीय माँ एवं परिवारजनों का आशीर्वाद मुझे शक्ति प्रदान करता रहा । यद्यपि मुझे इस शोध-कार्य को पूर्ण करने में समय अधिक लगा इसके लिये मैं क्षमा प्रार्थी हूँ । मेरे इस लघु शोध-प्रबंध में त्रुटियाँ तो अवश्य ही होगीं लेकिन मैं अपने गुरूजनों से एवं विद्वतगणों से यही आशा करती हूँ कि वे इस ओर ध्यान न देते हुए मुझे आशान्वित करेगें । इसके लिये मैं कृतज्ञ रहूँगी ।

वर्तमान विभागाध्यक्षश्रीश्रीधर मिश्र जी का जो सहयोग मिला उसके लिये मैं आभारी रहूँगी ।श्रीतथा प्राचीन इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग के व्यक्तियों का सहयोग मिला उसके लिये भी मैं आभारी हूँ । प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से अपने सहायक और सुहृदजनों के प्रति पुनः हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ ।
मैं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार प्रदर्शित करती हूं। जहां मुझे शोध प्रबंध के टंकण कार्य हेतु आर्थिक सहयोग मिला ।

कु० रागिनी दुबे

दिनांक :

१८-२-१९९०

(कुमारी रागिनी दुबे)